9

फूल और काँटा

- परिचयात्मक प्रश्न - फूल और काँटे कहाँ पाए जाते हैं?
  - फूलों का स्वभाव कैसा होता है?
  - काँटों का स्वभाव कैसा होता है?
  - प्रशंसा के पात्र फूल होते है या काँटे?
- प्रतिबिंब - कविता के माध्यम से बालकों को अच्छे गुण ग्रहण करने की प्रेरणा देना।
- परिकल्पना - फूल और काँटे समान कुल और वातावरण में उत्पन्न होते हैं फिर भी उनके स्वभाव विपरीत होते हैं। क्यों?

जन्म लेते हैं जगह में एक ही
एक ही पौधा उन्हें है पालता,
रात में उन पर चमकता चाँद भी
एक ही-सी चाँदनी है डालता।

मेघ उन पर है बरसता एक-सा
एक-सी उन पर हवाएँ हैं बहीं,
पर सदा ही यह दिखाता है हमें
ढंग उनके एक-से होते नहीं।

छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ
फाड़ देता है किसी का वर-वसन,
प्यार-डूबी तितलियों के पर कतर
भौंर का है बेध देता श्याम तन।

फूल लेकर तितलियों को गोद में
भौंरों को अपना अनूठा रस पिला,
निज सुगंधों और निराले रंग से
है सदा देता कली जी की खिला।

है खटकता एक सबकी आँख में
दूसरा है सोहता सुर शीश पर,
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।

-अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

शब्दार्थ एक ही = समान। पालता = पालन पोषण करना। मेघ = बादल। ढंग = व्यवहार। वर = श्रेष्ठ, अच्छा। वसन = वस्त्र, कपड़े। पर = पंख। भौंर = भंवरे। श्याम = साँवला। तन = शरीर। अनूठा = अनोखा। निज = अपनी। सुगंधों = भाँति-भाँति की खुशबुएँ। जी की कली खिलाना = अत्यंत प्रसन्न कर देना। सोहता = शोभा पाता। सुर = देवता। शीश = सिर। कुल = वंश। बड़प्पन = बड़े या श्रेष्ठ होने का भाव। कसर = कमी।

अभ्यास-कार्य

कविता से

■ बहुविकल्पीय प्रश्न

(क) सही विकल्प के सामने ✓ लगाइए:

1. पौधों पर फूल और काँटे लगते हैं। दोनों ही-
   (अ) अलग-अलग रीति से पोषण पाते हैं। ☐ (ब) समान रीति से पोषण पाते हैं। ✓
   (स) वातावरण से भिन्न पोषण पाते हैं। ☐
2. फूलों से सभी प्रेम करते हैं परंतु काँटे-
   (अ) किसी से प्रेम नहीं करते ☐ (ब) सबकी आँखों में खटकते हैं ✓
   (स) सभी के हृदय में खटकते हैं ☐
3. फूल और काँटों में समानता है-
   (अ) कुल की ☐ (ब) व्यवहार की ☐ (स) रंग की ☐
4. तितलियों को अपनी गोद में लेकर अनूठा रस पिलाता है-
   (अ) काँटा ☐ (ब) फूल ✓ (स) भौंरा ☐
5. बड़प्पन की कसर किसमें बताई गई है-
   (अ) फूल में ✓ (ब) पौधे में ☐ (स) काँटे में ☐

(ख) कविता की छूटी हुई पंक्तियाँ लिखिए:

1. जन्म लेते हैं जगह में एक ही
एक ही पौधा उन्हें है पालता।
रात में उन पर चमकता चांद भी,
एक ही सी चांदनी है डालता।

2. छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ
फाड़ देता है किसी का वर-वसन।
प्यार-डूबी तितलियों के पर कतर,
भौंरे का है बेध देता श्याम तन।

3. फूल लेकर तितलियों को गोद में
भौंरों को अपना अनूठा रस पिला।
निज सुगंधों और निराले रंग से,
है सदा देता कली जी की खिला।

■ शुद्ध उच्चारण कीजिए:

वर-वसन | श्याम तन | निज सुगंधों | सुर-शीश | बड़प्पन

■ इनके उत्तर लिखिए:

1. कवि ने फूल और काँटे में क्या समानता बताई है?
फूल और काँटे एक ही पौधे पर जन्म लेते हैं। एक ही हवा, धूप, चांद उन्हें पालता-पोषता है। एक ही चांद की चांदनी उन्हें मिलती है।

2. कवि ने फूल और काँटे में क्या असमानता बताई है?
कवि ने बताया है कि एक ही कुल-वंश के होते हुए, फूल देवताओं के सिर पर शोभायमान होता है, तो कांटे सबकी आंखों में खटकते हैं। निरादर पाते हैं।

3. कवि के अनुसार फूल और काँटों के प्रति तितलियों और भौंरों का व्यवहार कैसा होता है?
कांटे तितलियों और भौंरों के शरीर को भेद देते हैं और फूल अपने रस, सुगंध, सुंदरता से सबके मन को खुश कर देते हैं।

4. प्रस्तुत कविता के रचयिता कौन हैं?
प्रस्तुत कविता के रचयिता "अयोध्या सिंह उपाध्याय" "हरिऔध" हैं।

5. प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?
कवि हमें समझाना चाहते हैं कि कुल अथवा वंश से किसी को मान सम्मान नहीं मिलता। मान सम्मान मिलता है उसके कर्मों से, उसके अपने व्यवहार से।

भाषा की बात

(क) इनके तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :

1. फूल	पुष्प	कुसुम	सुमन
2. मेघ	बादल	जलद	वारिद
3. ईश्वर	प्रभु	भगवान	रब
4. रात	निशा	रजनी	रात्रि
5. चाँद	चंद्रमा	रजनीकर	सुधाकर

(ख) भाववाचक संज्ञा बनाइए :

1. सरल	सरलता	2. दास	दासता
3. सफल	सफलता	4. स्वस्थ	स्वास्थ्य
5. मारना	मार	6. सूक्ष्म	सूक्ष्मता
7. व्यक्ति	व्यक्तित्व	8. पंडित	पंडितार

(ग) विशेषण बनाइए :

1. प्रसन्नता	प्रसन्न	2. आवश्यकता	आवश्यक	3. बीमारी	बीमार
4. कुशलता	कुशल	5. स्वस्थ	स्वास्थ्य	6. ताजगी	ताजा
7. दुख	दुखी	8. सफलता	सफल		

(घ) लिंग-निर्णय कीजिए :

1. सुर	पुल्लिंग	2. पुष्प	स्त्रीलिंग	3. वर्षा	स्त्रीलिंग
4. पौधा	पुल्लिंग	5. मेघ	पुल्लिंग	6. चाँदनी	स्त्रीलिंग
7. काँटा	पुल्लिंग	8. ईश्वर	पुल्लिंग		

(ङ) अर्थ लिखिए :

1. श्याम	काला, कृष्ण	2. सुर	राग, लय	3. तन	शरीर
4. कुल	योग	5. अनूठा	अनोखा	6. निज	स्वयं, अपना, खुद
7. वर	दुल्हा, वरदान	8. कसर	कमी, त्रुटि	9. वसन	कपड़ा, वस्त्र

(च) इनके दो-दो अनेकार्थी लिखिए :

1. जवान	युवा	नवयुवक	2. आम	सामान्य	प्रायः
3. कर्ण	कान	महाभारत	4. वार	दिन	दिवस
5. पानी	जल	नीर	6. अंबर	आकाश	आसमान

(छ) 'कर्त्ता' पद चुनकर लिखिए:

1. वह हँस रहा है। वह
2. राम ने रावण को मारा। राम
3. मैं यहाँ कुशलपूर्वक हूँ। मैं
4. तुम कब आए? तुम
5. रवि चला गया। रवि

(ज) इन वाक्यों की क्रियाओं का काल बताइए:

1. चाचाजी शहर जाएंगे। भविष्य काल
2. वर्षा हो रही है। वर्तमान काल
3. कल हम मेला देखने गए थे। भूतकाल
4. यह कौन बैठा है? वर्तमान काल
5. कौआ काँव-काँव कर रहा है। वर्तमान काल

(झ) क्रियापद चुनकर लिखिए:

1. बच्चा सो गया। सोना
2. मैं स्कूल जा रहा हूँ। जाना
3. पानी कौन पिएगा? पीना
4. पक्षी उड़ रहा है। उड़ना
5. वह आठ बजे चला गया। जाना

कुछ करने की बात

1. समाज में गुणों का महत्व है या अवगुणों का? बताइए।
2. फूल और काँटे में किसे गुणी और किसे अवगुणी बताया गया है?
3. समाज में फूल रूपी मनुष्यों की क्या विशेषताएँ होती हैं?
4. समाज में काँटों रूपी मनुष्यों की क्या विशेषताएँ होती है?
5. वे कौन सी आदतें हैं जो मनुष्य को फूलों की श्रेणी में स्थान देती है?
6. वे कौन सी आदतें हैं जो मनुष्य को काँटों की श्रेणी में स्थान देती है? लिखिए।